भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3049
गुरूवार, 21 दिसंबर, 2023/(30 अग्रहायण, 1945 (शक)) को दिया जाने वाला
उत्तर

कर्नाटक के लिए कृषि उड़ान योजना

3049. श्री एस. मुनिस्वामी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कृषि उड़ान योजना के अंतर्गत देश में वर्तमान में कितने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन कार्य कर रहे हैं;

(ख) कर्नाटक राज्य में बनने वाले नए विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या बंगलूरु विमानपत्तन को कृषि उड़ान विमानपत्तन के रूप में सम्मि लि त किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का कोलार और चिकबल्लापुर जिलों के टमाटर और अन्य सब्जी उत्पादक किसानों को सुविधा प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(□) क्या सरकार का केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन को कृषि उड़ान योजना के अंतर्गत शामिल करने का विचार है और □□□ □□□, □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□?

<u>**उत्तर**</u>

<u>**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))**</u>

(क): कृषि उड़ान योजना के दायरे में, अन्य प्रदेशों/क्षेत्रों में स्थित 33 हवाईअड्डों के अलावा मुख्य रूप से पूर्वोत्तर, पहाड़ी एवं जनजातीय क्षेत्र के 25 हवाईअड्डों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कुल 58 हवाईअड्डे आते हैं।

(ख): भारत सरकार ने कर्नाटक में 4 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों नामतः कलबुर्गी, शिवमोग्गा, विजयपुरा एवं हसन का सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया है। इनमे से, 2 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों यथा कलबुर्गी एवं शिवमोग्गा प्रचालनिक किए जा चुके हैं।

(ग): बैंगलुरु हवाईअड्डा कृषि उड़ान योजना के अंतर्गत शामिल नहीं है।

(घ) और (ङ): देश में सभी कृषि और खराब होने वाली वस्तुएं पहले से ही कृषि उड़ान योजना में शामिल हैं।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच), एक केंद्र प्रायोजित योजना को 2014-15 से बागवानी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए इस क्षेत्र में फल, सब्जियों (टमाटर और अन्य सब्जियों सहित), जड़ और कंद फसलों, मशरूम, मसालों, फूल, सुगंधित पौधों, नारियल, काजू, कोको और बांस को शामिल करते हुए, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। एमआईडीएच योजना के अंतर्गत सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश समाहित हैं। कृषि उड़ान एक सतत योजना है तथा हितधारकों के साथ परामर्श के अधीन समय-समय पर इसकी समीक्षा की जाती है।

******